करवा चौथ

पत्नी ने पति को किडनी देकर बचाई जान, प्रत्यारोपण के बाद दोनों स्वस्थ



गंभीर किडनी रोग से जूझ रहे पति को पत्नी ने दी किडनी

हरिभूमि, जबलपुर।

करवा चौथ के अवसर पर जबलपुर की रश्मि गुप्ता ने अपने पति दीपक गुप्ता को किडनी दान कर उनके उपचार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। लंबे समय से किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रहे शांतिनगर निवासी दीपक गुप्ता का मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल, जबलपुर में सफल किडनी प्रत्यारोपण किया गया। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, प्रत्यारोपण के बाद रश्मि गुप्ता और दीपक गुप्ता दोनों स्वस्थ हैं। यह मामला जीवित अंगदान के महत्व और गंभीर किडनी रोग से पीड़ित मरीजों के उपचार में परिवार के सहयोग की भूमिका को सामने लाता है।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने किया सफल प्रत्यारोपण

मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल की नेफ्रोलॉजी एवं ट्रांसप्लांट यूनिट की टीम ने प्रत्यारोपण प्रक्रिया पूरी की। इसमें ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. राजेश पटेल, कंसल्टेंट नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. विशाल वडेरा सहित अन्य चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों ने भूमिका निभाई। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक, उपचार के बाद दोनों की स्थिति स्वस्थ है।

अस्पताल में 30 से अधिक किडनी प्रत्यारोपण

अस्पताल के डायरेक्टर राजीव बडेरिया ने बताया कि मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल में अब तक 30 से अधिक किडनी प्रत्यारोपण किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों के समन्वित प्रयासों से मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

अंगदान के प्रति जागरूकता का संदेश

किडनी प्रत्यारोपण गंभीर किडनी रोग से पीड़ित उपयुक्त मरीजों के लिए उपचार का महत्वपूर्ण विकल्प है। जीवित व्यक्ति द्वारा किडनी दान करने से जरूरतमंद मरीज को प्रत्यारोपण का अवसर मिल सकता है, हालांकि इसके लिए दाता और प्राप्तकर्ता की चिकित्सकीय जांच तथा निर्धारित मानदंडों का पूरा होना आवश्यक है।करवा चौथ पर पति की लंबी उम्र की कामना से जुड़े इस घटनाक्रम में रश्मि गुप्ता के अंगदान के निर्णय ने ध्यान आकर्षित किया है। सफल प्रत्यारोपण के बाद दोनों के स्वस्थ होने की जानकारी अस्पताल प्रबंधन ने दी है। यह घटना अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और प्रत्यारोपण उपचार के विकल्पों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने के महत्व को रेखांकित करती है।

रविंद्र तिवारी बने भाजयुमो के जिला अध्यक्ष श्रीकांत वर्मा कुक्की को महामंत्री की जिम्मेदारी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की सहमति से युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष ने की नियुक्ति, पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दी शुभकामनाएं

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी ने जबलपुर महानगर में भारतीय जनता युवा मोर्चा के संगठनात्मक दायित्वों की घोषणा की है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने रविंद्र तिवारी को जबलपुर महानगर का जिला अध्यक्ष तथा श्रीकांत वर्मा कुक्की को जिला महामंत्री नियुक्त किया है। दोनों नियुक्तियों के बाद भाजपा नेताओं, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नेताओं ने उम्मीद जताई कि दोनों पदाधिकारी युवा मोर्चा के संगठन को मजबूत करने, युवाओं को पार्टी से जोड़ने और संगठन की गतिविधियों को गति देने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।





नवनियुक्त पदाधिकारियों को लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, विधायक अशोक रोहाणी एवं अभिलाष पांडे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्रीकान्त साहू और प्रदेश प्रवक्ता डॉ. वाणी अहलुवालिया सहित जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं दीं।

कुक्की के महामंत्री बनने से युवाओं में उत्साह -

जिला अध्यक्ष के साथ महामंत्री बने श्रीकांत वर्मा कुक्की का नाम युवाओं में चर्चित माना जा रहा है, छात्र राजनीति से मुख्य धारा की राजनीति में आए श्रीकांत वर्मा को महामंत्री बनाए जाने से युवाओं में खास हर्ष दिखाई देने लगा है।

कार में स्टंट करने वाले 5 वाहन मालिकों और चालकों पर केस

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद बेलबाग पुलिस की कार्रवाई, 3 कारें जब्त

जबलपुर। शहर की सड़कों पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाकर लोगों की जान जोखिम में डालने वालों के खिलाफ जबलपुर पुलिस ने कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर खतरनाक तरीके से कारें चलाने का वीडियो वायरल होने के बाद बेलबाग पुलिस ने जांच कर पांच वाहनों के मालिकों और चालकों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने तीन कारें जब्त की हैं।

पुलिस के अनुसार, 28 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर कुछ कार चालकों द्वारा तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाने का वीडियो सामने आया था। वीडियो की जांच के दौरान बेलबाग पुलिस ने आसपास की दुकानों से जानकारी जुटाई और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। इसमें घटनास्थल थाना बेलबाग क्षेत्र का होना पाया गया। इसके बाद वीडियो में दिखाई दे रहे वाहनों और उनके मालिकों तथा चालकों की पहचान की गई।

जांच में मारुति फ्रॉन्क्स कार क्रमांक एमपी 20 जेडपी 2660 के मालिक अभिजीत जाट निवासी दुर्गा मंदिर, बेलबाग और चालक 23 वर्षीय गौरव उर्फ प्रिंस विश्वकर्मा, निवासी बड़ी खेरमाई, हनुमानताल की पहचान हुई। दूसरी मारुति फ्रॉन्क्स कार क्रमांक एमपी 20 जेडजे 2375 के मालिक श्रीराम जाट निवासी बेलबाग और चालक पीयूष जाट निवासी कंजर मोहल्ला, बेलबाग बताए गए। वहीं, काले रंग की थार क्रमांक एमपी 20 जेडएक्स 9124 की स्वामिनी मीनाक्षी जाट निवासी बेलबाग और चालक सत्यजीत जाट निवासी कंजर मोहल्ला, बेलबाग की पहचान की गई।

इसके अलावा स्विफ्ट कार क्रमांक एमपी 20 जेडडी 3437 और फॉर्च्यूनर कार क्रमांक एमपी 20 सीएफ 2710 के चालकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने संबंधित वाहन मालिकों और चालकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 तथा मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 66(1)/192(1) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले में फ्रॉन्क्स कार क्रमांक एमपी 20 जेडजे 2375, थार क्रमांक एमपी 20 जेडएक्स 9124 और फ्रॉन्क्स कार क्रमांक एमपी 20 जेडपी 2660 जब्त की गई हैं। प्रकरण की विवेचना जारी है।

'जनसेवा सृजन संवाद' में पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों से किया सीधा संवाद, जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का दिया संदेश

कानून, साइबर सुरक्षा और नागरिक कर्तव्यों का युवाओं को पढ़ाया पाठ

जबलपुर। युवाओं को कानून, सुरक्षा और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को शासकीय महाकौशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय (पीएमसीओई), जबलपुर के प्रेक्षागृह में 'जनसेवा सृजन संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। शासकीय महाकौशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय तथा शासकीय विज्ञान महाविद्यालय के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर सुरक्षित समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका रेखांकित की।कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा एवं शासकीय महाकौशल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने की। शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत सैलेट, एएसपी शहर डॉ. आयुष जाखड़, एएसपी ग्रामीण अनु बेनीवाल, एएसपी जोन-5 अंजना तिवारी, सीएसपी ओमती सोनू कुर्मी, सीएसपी आधारताल राजेश्वरी कौरव तथा रक्षित निरीक्षक जयप्रकाश आर्य सहित पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।



साइबर अपराधों से सतर्क रहने की दी सीख

संवाद के दौरान पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को भारतीय संविधान, न्याय व्यवस्था, नागरिक अधिकारों एवं कर्तव्यों, सामाजिक सुरक्षा, साइबर अपराधों और आपातकालीन सहायता सेवाओं की जानकारी दी। विद्यार्थियों को साइबर ठगी से बचने, ऑनलाइन गतिविधियों में सतर्कता बरतने और किसी भी आपात स्थिति में उपलब्ध सहायता सेवाओं का उचित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जागरूकता, कानून के प्रति सम्मान और जिम्मेदार व्यवहार से ही सुरक्षित समाज की नींव मजबूत हो सकती है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. अलकेश चतुर्वेदी एवं शासकीय विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत सैलेट ने कहा कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित नहीं है। उन्हें सामाजिक दायित्वों, संवैधानिक मूल्यों और नागरिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाना भी आवश्यक है। पुलिस अधिकारियों ने युवाओं से सजग, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज में सकारात्मक योगदान देने का आह्वान किया।

पुलिस और युवाओं के बीच बेहतर समन्वय पर जोर

कार्यक्रम के आयोजन एवं समन्वय में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोन-5 अंजना तिवारी की विशेष भूमिका रही। उन्होंने महाविद्यालय प्रबंधन के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), रेडक्रॉस समिति एवं स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त प्रयासों से संपन्न हुआ। इसमें डॉ. आनंद तिवारी, डॉ. रानू रहंगडाले, डॉ. महेंद्र कुशवाहा, डॉ. अजय ठाकुर, डॉ. अनिल बिंजिया, डॉ. मुकेश एवं डॉ. रचना सांचा सहित दोनों महाविद्यालयों के प्राध्यापकों और आयोजन समितियों का सहयोग रहा। मंच संचालन भूगोल विभाग के प्राध्यापक एवं रेडक्रॉस समिति की सह-संयोजक डॉ. रानू रहंगडाले ने किया। 'जनसेवा सृजन संवाद' युवाओं और पुलिस के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बना। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को कानून के प्रति सजग रहने, सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने और सुरक्षित एवं जिम्मेदार समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया।

सब्जी धोने और खाना बनाने में इस्तेमाल किया जा रहा था बाथरूम का पानी

जबलपुर। त्यौहारों पर दूषित और मिलावटी खाद्य सामग्री के विक्रय पर सख्ती से लगाम लगाने के कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत राजस्व एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने गुरुवार को साऊथ सिविल लाईन, गौरीघाट एवं रामपुर स्थित तीन प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण कर मिलावट की आशंका पर खाद्य पदार्थों के सेम्पल परीक्षण हेतु लिए हैं।राजस्व एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान साऊथ सिविल लाईन स्थित सिद्धि विनायक रेस्टोरेंट में लायसेंस की शर्तो का उल्लंघन पाये जाने पर पंजीयन निरस्त कर उसे सील करने की कार्यवाही भी की।खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता ने बताया कि अभियान के अंतर्गत साउथ सिविल लाइन स्थित सिद्धि विनायक रेस्टोरेंट और किचन की जांच शिकायत के आधार पर की गई थी। इस प्रतिष्ठान में अत्यंत गंदगी युक्त अस्वच्छ परिस्थिति में भोजन का निर्माण एवं संग्रह पाया गया। मौके पर किचन में बाथरूम का पानी सब्जी धोने और खाना बनाने में उपयोग करना पाया गया। रेस्टोरेंट संचालक द्वारा बताया गया उक्त किचन से खाना तैयार कर खाने के पैकेट रेलवे में सप्लाई किये जाते हैं। यहाँ से पनीर, दाल एवं चावल के सैंपल जांच हेतु लिये गये तथा लाइसेंस की शर्तों के उल्लंघन में एफएसएसएआई का लाइसेंस निलंबित कर रेस्टोरेंट को सील कर दिया गया है।खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को ग्वारीघाट स्थित न्यू केशरवानी स्वीट्स की जांच की गई। यहां से नारियल बर्फी, मगज के लड्डू के सेम्पल लिए गए। इसी प्रकार रामपुर स्थित मेंधु कलश स्वीट का निरीक्षण कर आटा के लड्डू और पेड़ा के सैंपल लिये गए। अभियान के तहत गुरुवार को लिए गये सभी नमूने जांच हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे जा रहे है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कारवाई की जाएगी कारवाई निरंतर जारी रहेगी।

पंजीयन निलंबित कर रेस्टोरेंट को किया सील

आजाद नगर हत्याकांड के मुख्य आरोपी के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

जबलपुर। रांझी थानांतर्गत गोकलपुर वार्ड के आजाद नगर में विगत दिनों धार्मिक आयोजन के दौरान हुए खूनी संघर्ष और पारस यादव की मौत के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। हत्याकांड के मुख्य आरोपी समीर बंशकार और उसके परिजनों के कथित अवैध निर्माणों पर गुरुवार को जिला प्रशासन एवं नगर निगम की संयुक्त टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में शासकीय भूमि पर बने मकानों और दुकानों सहित चिह्नित अतिक्रमणों को हटाकर सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने की कार्यवाही की।

प्रात जानकारी के अनुसार वारदात के बाद की गई प्रशासनिक जांच में ज्ञात हुआ था कि मुख्य आरोपी समीर बंशकार और उसके परिजनों ने नगर निगम के क्षेत्रीय कार्यालय, वाचनालय और दुर्गा मंदिर के सामने स्थित खाली शासकीय भूमि पर कथित तौर पर दुकानें और मकान बना रखे थे। इसके अलावा क्षेत्र में सुअर पालन किए जाने की बात भी सामने आई थी। पंप हाउस पर कब्जा कर अवैध रूप से रहने और शासकीय क्वार्टरों पर भी कब्जा होने की जानकारी भी मिली थी। लिहाजा पूरी छानबीन के बाद इन अतिक्रमणों को चिह्नित करने के बाद प्रशासन ने गुरुवार को कार्रवाई शुरू की। प्रशासन की इस कार्रवाई को रविवार रात हुई वारदात के बाद क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा की गई मांगों से जोड़कर देखा जा रहा है।गौरतलब हो कि रविवार रात रांझी आजाद नगर क्षेत्र में नवरात्र के बाद भंडारे का आयोजन चल रहा था। इसी दौरान कुछ युवक तेज रफ्तार से बाइक लेकर वहां से निकले। स्थानीय लोगों ने उन्हें वाहन धीरे चलाने की हिदायत दी, जिससे नाराज होकर बाइक सवार युवक वहां से चला गया। आरोप है कि कुछ ही देर बाद वह अपने अन्य साथियों के साथ लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर वापस पहुंचा और विवाद शुरू कर दिया। विरोध करने पर आरोपियों ने लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने आए लोगों को भी चोटें आईं। इस दौरान चाकू से किए गए वार में दो लोगों के पैरों में गंभीर चोटें आईं, जबकि 50 वर्षीय पारस यादव के सिर में गंभीर चोट लग गई। उन्हें उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां चिकित्सकों ने वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा था। सोमवार रात उपचार के दौरान पारस यादव की मौत हो गई। पारस यादव की मौत के बाद आक्रोशित क्षेत्रीय नागरिकों ने व्हीकल मोड़ पर शव रखकर प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों ने मृतक के परिजनों को मुआवजा देने और वारदात में शामिल आरोपियों के अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाने की मांग की थी। इस दौरान प्रशासन की ओर से 24 घंटे के भीतर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था।

सफाई व्यवस्था सुधारने निगमायुक्त का अल्टीमेटम, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का 24 घंटे में निराकरण, सफाई मित्रों को उपकरण और समय पर वेतन देने के निर्देश

जबलपुर। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम आयुक्त अग्रिम कुमार ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने सफाई व्यवस्था, कचरा प्रबंधन और मैदानी कार्यों में सुधार के लिए 15 दिन की समय-सीमा तय करते हुए कहा कि लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नियमित मॉनिटरिंग, मजबूत टीम गठन और कार्यों के सत्यापन के जरिए जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दिया। निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि सफाई कार्य निर्धारित बीट प्लान और चेकलिस्ट के अनुसार कराए जाएं। प्रत्येक क्षेत्र की जिम्मेदारी तय करने, इन-आउट कंप्लायंस सुनिश्चित करने, नजरी नक्शे तैयार करने और मौके पर कार्यों का वेरिफिकेशन करने की व्यवस्था बनाई जाए। कचरे को निर्धारित स्थलों पर एकत्रित कर उसका उचित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा शहर के सभी क्षेत्रों में बेहतर सफाई व्यवस्था बनाए रखी जाए।



गंदगी फैलाने वालों पर स्पॉट फाइन

निगमायुक्त ने कहा कि बार-बार समझाइश देने के बावजूद सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार स्पॉट फाइन की कार्रवाई की जाए। सफाई संबंधी सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का 24 घंटे के भीतर निराकरण करने और किए गए कार्यों का सत्यापन करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने सफाई मित्रों को आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने तथा उन्हें समय पर वेतन देने पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना पूर्व सूचना या वैध आधार के अवकाश पर रहने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सभी कर्मचारियों को निर्धारित समय पर कार्य पूरा करने और मैदानी स्तर पर सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए।

बैठक में ये अधिकारी रहे मौजूद

बैठक में अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, अशफाक परवेज कुरैशी और सौरभ मिश्रा, उपायुक्त संभव अयाची तथा स्वास्थ्य अधिकारी अभिनव मिश्रा सहित सभी सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक और स्वच्छता निरीक्षक उपस्थित रहे। निगमायुक्त ने स्वास्थ्य अमले को 15 दिनों में अपेक्षित सुधार लाने और कार्यों की नियमित समीक्षा के माध्यम से जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भेड़ाघाट - भिटोनी समपार रेल फाटक आज से 3 नवंबर तक बंद रहेगा

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल के अंतर्गत भेड़ाघाट–भिटोनी खंड में समपार फाटक क्रमांक 308 (किमी 971/31–972/01), दिघौरा गेट पर रेल पटरियों के अनुरक्षण कार्य के चलते सड़क यातायात अस्थायी रूप से बंद रहेगा।रेलवे प्रशासन द्वारा जारी सूचना के अनुसार, समपार फाटक क्रमांक 308 पर अप एवं डाउन रेल पटरियों का आवश्यक अनुरक्षण कार्य किया जाना है। इस कार्य के लिए 30 अक्टूबर 2026 को प्रातः 08:00 बजे से 03 नवंबर 2026 को सायं 20:00 बजे तक उक्त समपार फाटक सड़क यातायात के लिए पूर्णतः बंद रहेगा। इस अवधि में सड़क उपयोगकर्ताओं के आवागमन हेतु वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में समपार फाटक क्रमांक 307 (सहजपुर) एवं समपार फाटक क्रमांक 309 (सिहोदा गाँव) निर्धारित किए गए हैं। सड़क उपयोगकर्ता इन वैकल्पिक मार्गों का उपयोग कर अपने गंतव्य तक पहुँच सकते हैं।

10 साल की बेदाग सेवा के बाद हटाए गए आरक्षक को राहत बर्खास्तगी आदेश खारिज

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण कानूनी फैसले में पुलिस विभाग के एक आरक्षक को बड़ी राहत दी है। जस्टिस विवेक कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने बालाघाट जिले के आरक्षक नंदकिशोर लिल्हारे की बर्खास्तगी के आदेश को निरस्त करते हुए उन्हें सेवा में बहाल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मामूली और पुराने आपराधिक मामलों में पूर्व में ही बरी हो चुके व्यक्ति को, जिनकी जानकारी को लेकर प्रक्रिया अपनाई गई हो और जिसने 10 साल तक 119 पुरस्कारों के साथ उत्कृष्ट सेवा दी हो, केवल तकनीकी आधार पर सेवा से हटाना अनुचित है। मामले के अनुसार, आरक्षक लिल्हारे पर 2011 में भर्ती के समय चरित्र सत्यापन प्रपत्र में पुराने मामलों की पूर्ण प्रविष्टि न करने का आरोप लगा था, जिसके आधार पर उसे सेवा से हटा दिया गया था। हालांकि, डीआईजी ने अपील पर राहत देते हुए सजा कम की थी, लेकिन एडीजी ने स्वतः संज्ञान लेते हुए उसे दोबारा बर्खास्त कर दिया था। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि कम उम्र में हुई मामूली घटनाओं और बरी हो चुके मामलों को आधार बनाकर इस तरह कठोर कार्रवाई करना मनमाना और कानून के विपरीत है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि याचिकाकर्ता को तत्काल आरक्षक के पद पर बहाल किया जाए तथा उसे निरंतरता, वरिष्ठता और अन्य सभी काल्पनिक व परिणामी लाभ (बिना एरियर के) प्रदान किए जाएं।



पति की लंबी उम्र के लिए महिलाओं ने रखा निर्जला उपवास

बादलों के पहरे में रहा चांद, रात में हुए दर्शन

चंद्रमा को अर्घ्य देकर महिलाओं ने खोला करवा चौथ का व्रत

हरिभूमि, जबलपुर।

पति की दीर्घायु और सुखी दांपत्य जीवन की कामना के साथ गुरुवार को महिलाओं ने करवा चौथ का व्रत रखा। दिनभर निर्जला उपवास करने के बाद महिलाओं को रात में चंद्र दर्शन के लिए इंतजार करना पड़ा। आसमान में बादल छाए रहने के कारण निर्धारित समय रात 8:15 बजे तक चांद दिखाई नहीं दिया। इसके बाद रात करीब 9 बजे चंद्रमा के दर्शन हुए। महिलाओं ने चंद्रदेव को अर्घ्य अर्पित किया, चलनी से पति का दीदार किया और परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार व्रत का पारण किया।

चंद्र दर्शन के लिए देर तक करना पड़ा इंतजार

करवा चौथ पर चंद्र दर्शन का विशेष महत्व है। गुरुवार को आसमान में बादल छाए रहने से महिलाओं को चांद निकलने के लिए निर्धारित समय के बाद भी इंतजार करना पड़ा। रात करीब 9 बजे चंद्रमा दिखाई देने पर महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और पति की लंबी उम्र की कामना करते हुए अपना व्रत पूरा किया।

बाजारों में रही चहल-पहल, महिलाओं ने की खरीदारी

करवा चौथ के अवसर पर शहर के बाजारों में अच्छी चहल-पहल देखने को मिली। महिलाओं ने पूजा सामग्री, उपहार और नए परिधानों की खरीदारी की। हाथों में मेहंदी लगवाने के साथ चूड़ियों, बिंदियों और अन्य श्रृंगार सामग्री से सजने-संवरने की तैयारियां की गईं। पर्व को लेकर बाजारों में उत्साह का माहौल रहा।

शिव-पार्वती की पूजा का भी है विधान

पंडित एवं ज्योतिषाचार्य पी.एल. गौतमाचार्य ने ईएमएस को बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार करवा चौथ का व्रत दांपत्य जीवन में प्रेम, सामंजस्य और सुख-समृद्धि की कामना से जुड़ा है। इस दिन मिट्टी के करवे में पूजन सामग्री रखकर पूजा की जाती है तथा चंद्रमा को अर्घ्य अर्पित किया जाता है। व्रत में माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा का भी विधान है।

अखंड सौभाग्य की कामना से रखा जाता है व्रत

करवा चौथ कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। धार्मिक परंपराओं में माता पार्वती को अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर महिलाएं पति की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के साथ व्रत रखती हैं। गुरुवार को बादलों के कारण चंद्र दर्शन में देरी हुई, लेकिन चांद दिखाई देने के बाद महिलाओं ने पूजा-अर्चना कर व्रत संपन्न किया।

महिलाओं को चांद ने कराया लम्बा इंतजार

चांद का दीदार कर पति की लंबी उम्र की कामना की



सिहोरा। हिंदू धर्म में करवा चौथ का विशेष महत्व है. इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र,अच्छी हेल्थ और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए व्रत रखती हैं तथा सोलह श्रृंगार कर पूजा की थाली सजाती हैं और करवा माता की कथा सुनती हैं।नगर में करवा चौथ का पर्व आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया गया। महिलाओं ने चलनी की ओट से चांद के साथ पति का दीदार कर उनकी लंबी आयु के लिए कामना की वहीं पति ने भी पत्नी के लिए उपहार के रूप में साड़ी व सोने-चांदी के जेवरात दिए।

पर्व को लेकर सुबह से ही बाजार में काफी चहल-पहल देखी गई। महिलाओं द्वारा करवा चौथ के व्रत के पूजन के लिए सामग्री खरीदी गई वहीं श्रंगार के सामान की भी जमकर खरीदी की गई। ब्यूटी पार्लर में भी अच्छी खासी भीड़ देखी गई पुरुषों द्वारा भी उपहार की खरीदी की गई। जेवरात की दुकान के साथ ही कपड़ों व श्रृंगार के सामान की दुकानों पर भी ग्राहकी नजर आई।जिसके चलते नगर के हृदय स्थल झंडा बाजार उपनगर खितोला बाजार में अनेक बार जाम की स्थिती निर्मित हुई।इसके अलावा ब्यूटी पार्लर तथा मेंहदी लगवाने लम्बी लम्बी कतार लगी रही।इसी प्रकार नगर के प्रतिष्ठित फेमिली रेस्टारेंट में भी करवा चौथ पर आफर के चलते काफी चहल पहल रही। करवा चौथ पर सुहागिन महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखकर पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की। शाम होते ही महिलाओं को चांद निकलने का इंतजार रहा। चंद्र दर्शन के साथ ही महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और छलनी से चांद देखने के बाद पति का चेहरा देखकर व्रत खोला। इस दौरान मंदिरो घरों और कॉलोनियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।महिलाओं ने सुबह से ही व्रत की तैयारियां शुरू कर दी थी। शाम को पारंपरिक परिधान और सोलह श्रृंगार कर पूजा की थाली सजाई। चांद निकलने पर महिलाओं ने दीपक जलाकर चंद्रमा को अर्घ्य दिया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद पति के हाथों पानी पीकर व्रत का पारण किया। करवा चौथ के अवसर पर कई घरों में पति भी पत्नी के साथ पूजा में शामिल हुए। व्रत खोलने के बाद पतियों ने अपनी पत्नी को पानी पिलाया और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी। कुछ परिवारों में इस अवसर पर उपहार देने की परंपरा भी निभाई गई। त्यौहार ने पति-पत्नी के बीच प्रेम, विश्वास और आपसी सहयोग का संदेश दिया।महिलाओं ने बताया कि करवा चौथ उनके लिए केवल व्रत नहीं, बल्कि पति की लंबी उम्र और परिवार की खुशहाली की कामना से जुड़ा पर्व है।

भाजपा ग्रामीण की बैठक में 'लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ' अभियान पर चर्चा



जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी जबलपुर ग्रामीण की बैठक में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान की रूपरेखा, संगठन की मजबूती और जनसंपर्क गतिविधियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे, जिला प्रभारी मनीषा सिंह, जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, पनागर विधायक सुशील इंदु तिवारी, बरगी विधायक नीरज सिंह, सिहोरा विधायक संतोष वरकड़े, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नंदनी मरावी, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा गोटिया, पूर्व जिला अध्यक्ष रानू तिवारी, कार्यक्रम प्रभारी अभिषेक सिंह हरी, जिला महामंत्री रूपेश पटेल, कृष्णशिखर सिंह, राजेश दाहिया एवं युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष पंकज तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और अभियान का संदेश जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। जिला उपाध्यक्ष राजेश राय, आशीष पटेल, पुष्पराज सिंह, कार्यालय मंत्री ओम दुबे, नरेंद्र पटेल, नीता जैन, दिनेश पटेल, विश्वजीत सिंह, ओम नारायण दुबे, अभिजीत चौधरी, नीलू बाजपेई, अतुल त्रिपाठी, पलाश दुबे, श्रीकांत परिहार, प्रिंच पटेल और अंचल साहू सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भी सहभागिता की।

नर्मदा परिक्रमा की तैयारियां तेज, स्वामी राघव देवाचार्य बने संरक्षक



जबलपुर।

आगामी 23 नवंबर 2026 को बैकुंठ चतुर्दशी पर महर्षि गौतम आश्रम, गोपालपुर, भेड़ाघाट से आयोजित होने वाली नर्मदा परिक्रमा की तैयारियों को लेकर दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर, स्नेह नगर में श्री नर्मदा संकीर्तन परिक्रमा समिति की बैठक हुई। संकीर्तनाचार्य पंडित मनमोहन दुबे के सानिध्य में परम पूज्य श्रीमद् जगद्गुरु स्वामी राघव देवाचार्य जी महाराज को समिति का संरक्षक नियुक्त किया गया। संगठन विस्तार के तहत 27 पदाधिकारियों को दायित्व सौंपे गए।

संयोजक संजय गौतम, सह-संयोजक सत्य प्रकाश नामदेव, उप-संयोजक विवेक अग्रवाल, मुख्य व्यवस्थापक अवधेश खरे, सह-व्यवस्थापक नवीन श्रीवास्तव, प्रशासनिक प्रभारी शंकर नामदेव, सह-प्रशासनिक प्रभारी शशांक अग्रवाल (राजू), जनसंपर्क अधिकारी मोहित कुमार लोधी, प्रचार-प्रसार संयोजक देवव्रत सोनी, सह-संयोजक पवन साहू, कार्यालय प्रमुख अतुल कुमार पटेल, मंच व्यवस्था प्रमुख अरविंद अग्रवाल एवं सह-प्रमुख आकाश अग्रवाल को जिम्मेदारी दी गई।

बैठक में अध्यक्ष देवेंद्र त्रिपाठी, उपाध्यक्ष मोहित तिवारी, सचिव देवेंद्र नेमा, पप्पू चौबे, विशाल पंड्या और अजय पांडे उपस्थित रहे। समिति ने हरिनाम संकीर्तन तथा नर्मदा संरक्षण एवं स्वच्छता के लिए जनजागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया।

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के तीन कार्मिक सेवानिवृत्त

जबलपुर। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के तीन कार्मिक 30 अक्टूबर को अपनी दीर्घ सेवाओं के उपरांत सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इनमें रीवा में कार्यपालन अभियंता (एसटीएम-एसटीसी) संभाग में पदस्थ ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह 16 वर्ष 10 माह की सेवा पूरी कर सेवानिवृत्त होंगे। वहीं, प्रबंध संचालक कार्यालय में निज सहायक सूर्यकांत शुक्ला 41 वर्ष की सेवा तथा ईईक्यूएएल, जबलपुर में परीक्षण पर्यवेक्षक ग्रेड-एक के पद पर पदस्थ अशोक कुमार झारिया 38 वर्ष 6 माह की सेवा के बाद सेवानिवृत्त होंगे। कंपनी ने तीनों कार्मिकों की सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

करवा चौथ पर विभिन्न समुदायों की महिलाओं ने की सामूहिक पूजा



जबलपुर। बराट रोड निवासी हरप्रीत जैन के निवास पर करवा चौथ के अवसर पर महिलाओं के फ्रेंड्स ग्रुप द्वारा सामूहिक पूजा एवं थाली मनसने का कार्यक्रम श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। साईं मंदिर से पधारे पंडित जी ने विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई। पंजाबी, अग्रवाल, सिंधी सहित विभिन्न समुदायों की महिलाओं ने एकजुट होकर अपने सुहाग की लंबी आयु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में प्रियंका कल्चुरिया अग्रवाल, एनी मक्कर, अंकिता महोबे, कोमल अदनानी, वर्षा गोलछा, श्वेता अग्रवाल, श्वेता विजन, नवलीन आलुवालिया, गुरशीन राणा, शालिनी नारंग, शिवाली मंचंदा और अंजली समदड़िया सहित अनेक महिलाओं ने सहभागिता की। आयोजन का उद्देश्य भारतीय परंपराओं को संजोने के साथ मित्रता, एकता और आपसी सद्भाव को मजबूत करना रहा।



श्रीमती भागवती देवी- वेस्ट लैंड खमरिया बैंक ऑफ इंडिया के पास निवासी श्री राम वचन की धर्मपत्नी श्रीमती भागवती देवी (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भगवान दास गुप्ता- पूर्वी करियापाथर आचार्य विनोबा भावे वार्ड निवासी श्री भगवान दास गुप्ता (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती नीलिमा सिकदार- टेलीग्राफ गेट नं. 4 साईं मंदिर के पास निवासी श्री शंभूनाथ सिकदार की धर्मपत्नी श्रीमती नीलिमा सिकदार (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भरत चक्रवर्ती- बंबा देवी शीतलामाई निवासी श्री भरत चक्रवर्ती का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मुकेश कुमार राजभर- तकिया मोहल्ला सदर निवासी श्री रम्मू लाल राजभर के पुत्र श्री मुकेश कुमार राजभर (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मीना कुशवाहा- कैलाश नगर सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री छेदी लाल कुशवाहा की धर्मपत्नी श्रीमती मीना कुशवाहा (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती विमला बाई समद- पूर्वी घमापुर सर्वोदय स्कूल के पास कांचघर रोड निवासी श्री पंचम लाल समद की धर्मपत्नी श्रीमती विमला बाई समद (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दुर्गा प्रसाद प्रजापति- गोपाल होटल आशा चक्की के पास सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री दुर्गा प्रसाद प्रजापति (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री भरत सिंह- यादव मोहल्ला रामपुर निवासी श्री भरत सिंह (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती जुगिया बाई- बेलबाग टोरिया निवासी श्री घासीराम डुमार की धर्मपत्नी श्रीमती जुगिया बाई (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सितारा देवी दुबे- पोलीपाथर नर्मदा नगर निवासी श्री लक्ष्मी प्रसाद दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती सितारा देवी दुबे (89) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गीता रिछारिया- छोटा फुहारा मिलौनीगंज निवासी श्री उपेंद्र कुमार रिछारिया की धर्मपत्नी श्रीमती गीता रिछारिया (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नारायण सिंह- पुरानी बस्ती रांझी निवासी श्री नारायण सिंह (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रमोद गुप्ता- सरकारी कुआं शीतलामाई वार्ड निवासी श्री प्रमोद गुप्ता (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री प्रशांत पासी- बगीचा नं. 5 सदर निवासी श्री मुरारी लाल पासी के पुत्र श्री प्रशांत पासी (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री घसीटे रैकवार- द्वारका नगर लालमाटी रैकवार धर्मशाला के पास निवासी श्री घसीटे रैकवार (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती नीलू कोल- संत नगर लाइन पार पोलीपाथर निवासी श्री संदीप कोल की धर्मपत्नी श्रीमती नीलू कोल (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

विशेष अभियान-6 में रेलवे ने पार किए प्रमुख लक्ष्य, 5884 स्टेशनों पर रेल जन संवाद



जबलपुर। भारतीय रेल ने विशेष अभियान-6 के तहत स्वच्छता, स्क्रैप निपटान, ई-कचरा प्रबंधन, लंबित मामलों के निराकरण और प्रक्रिया सरलीकरण में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। 2 से 31 अक्टूबर 2026 तक चल रहे इस अभियान के अंतर्गत 22 अक्टूबर को देशभर के 5,884 रेलवे स्टेशनों पर रेल जन संवाद आयोजित किया गया। इसमें यात्रियों से स्वच्छता, यात्री सुविधाओं और सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए सुझाव लिए गए। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ सतीश कुमार ने नई दिल्ली में हितधारकों से संवाद किया, जबकि डीएआरपीजी के सचिव ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस में भाग लिया। अभियान के तहत प्राप्त सुझावों के आधार पर स्थानीय समस्याओं की पहचान कर यात्री सेवाओं में सुधार पर जोर दिया जा रहा है। रेलवे का लक्ष्य स्वच्छता, संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और लंबित मामलों के समयबद्ध निराकरण की प्रभावी व्यवस्थाओं को आगे भी बनाए रखना है।

जनेकृविवि के बोर्ड सदस्यों ने क्रॉप क्वालिटी लैब और फूड प्रोसेसिंग यूनिट का किया अवलोकन

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय की बोर्ड बैठक के बाद कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के साथ बोर्ड सदस्यों ने एनएबीएल प्रत्यायित क्रॉप क्वालिटी लैबोरेटरी एवं जवाहर फूड प्रोसेसिंग यूनिट का भ्रमण किया। इस दौरान सदस्यों ने प्रयोगशाला में गुणवत्ता परीक्षण, विभिन्न जांच प्रक्रियाओं और विश्वसनीय विश्लेषण संबंधी कार्यों की जानकारी प्राप्त की। वहीं, फूड प्रोसेसिंग यूनिट में खाद्य उत्पादों के निर्माण, प्रसंस्करण गतिविधियों और उद्यमिता विकास से जुड़े कार्यों का अवलोकन किया। भ्रमण का उद्देश्य विश्वविद्यालय में खाद्य गुणवत्ता परीक्षण, अनुसंधान, खाद्य प्रसंस्करण एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण से संबंधित गतिविधियों से बोर्ड सदस्यों को परिचित कराना रहा।



यूजीसी समानता नियमों के विरोध में रैली, सौंपा ज्ञापन



सिहोरा। यूजीसी समानता रेगुलेशन के विरोध में सर्वोदय ब्राह्मण समाज सिहोरा एवं सवर्ण समाज गोसलपुर के संयुक्त तत्वावधान में रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। बस स्टैंड से शुरू हुई रैली तहसीली मार्ग होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंची, जहां अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शनकारियों ने प्रस्तावित नियमों को वापस लेने की मांग करते हुए इनके संभावित प्रभावों पर चिंता जताई। समाज के प्रतिनिधियों ने आशंका व्यक्त की कि नियमों के कुछ प्रावधानों से एकतरफा कार्रवाई और सामाजिक तनाव की स्थिति बन सकती है। रैली में डॉ. नागेन्द्र कुररिया, केके कुररिया, राकेश पाठक, शीतल प्रसाद दुबे, राजेश कुररिया, विष्णु दत्त गौतम, प्रवीण कुररिया, रामनिरंजन दुबे, रवि तिवारी, दीपक तिवारी, महेश तिवारी, लक्ष्मण पालीवाल, रामरुद्र तिवारी, केके दुबे, शिवकुमार तिवारी, राजीव तिवारी, मुकेश तिवारी, पप्पू चौहान, कमलेश दुबे, विजय दुबे, श्याम सुंदर, केजी पाठक, आलोक पांडे, सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

CHANGE OF NAME

I, **ANNAPURNA MISHRA** (existing name of spouse as per NOK) is legally wedded spouse of No **15723612H** Rank **LOC HAV** Name **MANOJ KUMAR PANDEY** presently, residing at **VILL-NAUN KALA, PO-NAUN KALA, TEH- HANUMANA, DISTT- REWA (MADHYA PRADESH)-486335** I, have changed of my name from **ANNAPURNA MISHRA** (Name as per my Husband, Army service records) to **ANNAPURNA PANDEY** (name as per my **AADHAR CARD NO. 4120 6514 2741 AND PAN CARD NO. ESCPP8530G)** vide affidavit dated **29/10/2026** formerly before Public Notary JABALPUR (MP)

CORRECT NAME
ANNAPURNA PANDEY
INCORRECT NAME
ANNAPURNA MISHRA

CHANGE OF NAME

I, ABDUL MALIK ANSARI S/O MUSTAQ AHMAD ANSARI DECLARE THAT MY MINOR DAUGHTER WAS KNOWN AS AZZA SHERIN,I HAVE CHANGED THE SPELLING OF HER FIRST NAME AND HENCEFORTH SHE SHALL BE KNOWN AS AZZA SHIREEN ANSARI D/O ABDUL MALIK ANSARI RESIDENT OF 444/1,PARWEEN PARSHAD KI GALI, BENI SINGH KI TALIYA, ASHFAQULLA KHAN WARD, JABALPUR, 482001, MADHYA PRADESH.

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी
सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं. /स. क्रं.11/182/2026-27
दिनांक:- 29/10/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राहुल होलानी पिता बलदेव प्रसाद होलानी ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के दु.नं. ए/114 ब्लॉक ए समपत्ति के पिन क्रमांक 90003664491 पर प्रथम तल 355 वर्गफुट विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज नमिता मोखालाल गुप्ता पिता विकास गुप्ता का नाम हटाये जाने एवं आवेदक का नाम परिवर्तन किये जाने जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाणं सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.11,
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी
सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं. /स. क्रं.11/184/2026-27
दिनांक:- 29/10/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री संतोष बैरागी पिता भगवान दास बैरागी ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक 55/1, 552 का भाग समपत्ति के पिन क्रमांक 1000378807 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1500 वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 1250 वर्गफुट व्यावसायिक 1250 वर्गफुट व्यावसायिक प्रथम तल 1250 वर्गफुट स्वयं का रहवास विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री/ श्रीमति भगवान दास ठाकुर पिता/पति भैयालाल ठाकुर का नाम हटाये जाने एवं आवेदक का नाम परिवर्तन किये जाने जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाणं सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.11,
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी
सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं. /स. क्रं.11/184/2026-27
दिनांक:- 29/10/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि बानें शालिनी फर्नांडिस पति लिनुस फर्नांडिस ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के फ्लेट नं. 412 ब्लॉक जी चतुर्थ तल दत्त गार्डन समपत्ति के पिन क्रमांक 1004468177 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1300 वर्गफुट चतुर्थ तल 1300 वर्गफुट विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री/ श्रीमति सुनील कुमार जैन पिता/पति सुगमचंद जैन का नाम हटाये जाने एवं आवेदक का नाम परिवर्तन किये जाने जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाणं सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.11,
नगर निगम, जबलपुर

तकनीक में एक कदम और आगे मप्र विधानसभा पेपरलेस होगा अगला सत्र

जनसमस्याओं को हल करने में अधिक सक्षम होगी ई-विधानसभा, डिजिटाइजेशन से तेजी से होगा काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र विस के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि पहले जब विधायकों को प्रश्न लिख कर जमा करने होते थे, तब विस के एक सत्र में औसत 700 प्रश्न तक आया करते थे। ऑनलाइन व्यवस्था होने के बाद एक सत्र में प्रश्नों की संख्या चार हजार तक पहुंच गई है जो हर सदस्य के क्षेत्र की आवाज हैं। जब इतनी बड़ी संख्या में समस्याएं सरकार तक पहुंचती है और इनका निराकरण करने के लिए व्यवस्थाओं को अधिक सक्षम बनाती है। मप्र विस के अध्यक्ष तोमर ने राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन नेवा के अंतर्गत विधायकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

नेवा का विधायकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

समस्या हल करने व्यवस्थाओं को बनाते हैं सरल



मप्र विधानसभा में मौजूद सदस्यगण।

हमें आगे बढ़ाना है तो युग के साथ

अपने मुख्य उद्बोधन में विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा कि लंबे समय से हम सब लोग डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया पर काम कर रहे थे, प्रसन्नता है कि अब यह कार्य अंतिम चरण में है। हम सभी जानते हैं कि अगर हमें आगे बढ़ाना है तो युग के साथ प्रतिस्पर्धा करनी होगी। जब भी कोई नई तकनीक आती है तो एक पक्ष उस नई विधा का विरोध करता है और एक पक्ष उसे नई विधा को अस्त्र बनाकर प्रतिस्पर्धा में अन्य लोगों के साथ विजय प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूरदृष्टि वाले नेता हैं। अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल के शुरुआती दौर में जब उन्होंने डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया का लक्ष्य रखा तो इन्हें नारा माना गया।

तब मेरे लिए भी तकनीक का उपयोग आसान नहीं था

विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने तकनीक के विस्तार पर अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब वे केंद्र सरकार में मंत्री बने तो प्रधानमंत्री मोदी को तकनीकी के प्रति बहुत सजग पाया। उनकी कोशिश रहती थी कि उनके साथ काम करने वाले अधिकारी, मंत्री व सांसद भी उतनी दक्षता से तकनीक का उपयोग करें। तोमर ने कहा कि तब मेरे लिए भी तकनीक का उपयोग आसान नहीं था। मैं बहुत धीरे-धीरे सीख रहा था।

नेवा के उपयोग पर प्रकाश डाला

लोक लेखा समिति के अध्यक्ष भंवर सिंह शेखावत ने नेवा के उपयोग पर प्रकाश डाला तथा इसे बेहतर तथा व्यापक बनाने के लिए सुझाव दिए। प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष अजय विश्नोई ने नेवा की विषयवस्तु तथा महत्व को विस्तार से बताया। विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि ई विधानसभा होने के बाद विधानसभा के कार्य में कुशलता और पारदर्शिता आ सकेगी।

पहले सत्र में इन विधायकों का दिया गया प्रशिक्षण

विधानसभा क्रमांक के हिसाब से पहले दिन प्रथम सत्र में एक से 50 संख्या वाले विधायकों को प्रशिक्षण दिया गया। इसमें सरला विजेन्द्र रावत, अम्बरीष शर्मा, केशव देसाई, डॉ. सतीश सिकरवार, मोहन सिंह राठौड़, फूल सिंह बरैया, रमेश प्रसाद खटिक, कैलाश कुशवाहा, प्रीतम लोधी, महेन्द्र रामसिंह यादव, ऋषि अग्रवाल, पन्नालाल शाक्य, प्रियंका पेंची, जगन्नाथ सिंह रघुवंशी, ब्रजेन्द्र सिंह यादव, एडवोकेट श्रीमती निर्मला सप्रे, इंजीनियर प्रदीप लारिया, वीरेन्द्र सिंह लोधी, नितेन्द्र ब्रिजेन्द्र सिंह राठौड़, अनिल जैन, जयन्त मलैया, हरदीप सिंह डंग, इंजीनियर नरेन्द्र प्रजापति, रामनिवास शाह, श्रीमती मनीषा सिंह, शिवनारायण ज्ञानसिंह, संदीप जायसवाल, अभिलाष पाण्डेय, अशोक ईश्वरदास रोहाणी, संजय उईके, विश्वनाथ सिंह, कंचन मुकेश तन्वे, भंवरसिंह शेखावत, श्याम बरडे।

संस्कृति मंत्री ने सुनी भाजपा कार्यकर्ताओं की विभिन्न समस्याएं



समस्याओं के शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

भोपाल। प्रदेश के संस्कृति मंत्री के मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याओं एवं सुझावों को सुनकर संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। जिन प्रकरणों में विभाग की कार्रवाई आवश्यक है, उन्हें शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। मंत्री लोधी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्राप्त जनसमस्याओं का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर उसके समाधान का प्रयास किया जाएगा। आमजन की जनसमस्याओं का समाधान और उन्हें शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ सुनिश्चित करना मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल के नेतृत्व में संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

शहरी विकास मॉडल पर मंथन, मृगांका सक्सेना ने किया पैनल का संचालन

भविष्य में शहरों का सुनियोजित विकास आवश्यक, कॉन्क्लेव में बोले मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए शहरों का नियोजन समुचित प्रकार से किया जाना बहुत जरूरी हो गया है। बुधवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 'मध्यप्रदेश अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0' (रोड टू ग्लोबल ग्रोथ समिट 2027) हुई। कॉन्क्लेव में शहरी विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों, शैक्षणिक संस्थानों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की सहभागिता से 4 महत्वपूर्ण पैनल चर्चाओं (डिस्कशन) का आयोजन किया गया।

इन चर्चाओं में सुनियोजित शहरी विकास, आधुनिक अधोसंरचना, डिजिटल तकनीक, जलवायु अनुकूल शहरों के निर्माण, जल सुरक्षा, संसाधन प्रबंधन तथा शहरी निवेश एवं वित्तपोषण की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। प्रथम पैनल चर्चा में 'महानगरों से आगेः पुनर्घनत्वीकरण, ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट एवं ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट्स के माध्यम से शहरी विकास' विषय पर मंथन हुआ। पैनल का संचालन हैबिटेट टेक्टोनिक्स आर्किटेक्चर एंड अर्बनिज्म की संस्थापक भागीदार श्रीमती मृगांका सक्सेना ने किया।

विकास के बिना बेहतर जीवन सुविधाओं वाले शहरों का निर्माण संभव नहीं


सीएम ने अर्बन इनोवेशन गैलरी में प्रदर्शनी का किया अवलोकन।

मानकों के अनुरूप एकीकृत मास्टर प्लानिंग

डेला ग्रुप के अध्यक्ष एवं प्रबंध संचालक जिमी मिस्त्री ने मानव-केंद्रित शहरी विकास पर जोर देते हुए टीओडी, टीडीआर एवं एफएसआई मानकों के अनुरूप एकीकृत मास्टर प्लानिंग और दक्ष आर्किटेक्चर की सहभागिता को आवश्यक बताया। मेडुला सॉफ्ट टेक्नोलॉजीज के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शांतनु शर्मा ने यातायात की वास्तविक मांग के अनुरूप नगर नियोजन, शहरी घनत्व के बेहतर प्रबंधन तथा लास्ट माइल कनेक्टिविटी पर जोर दिया।

पैनल प्रमुख एवं मप्र मेट्रो के प्रबंध संचालक कृष्ण चैतन्य ने कहा कि सुनियोजित विकास के बिना बेहतर जीवन सुविधाओं वाले शहरों का निर्माण संभव नहीं है। उन्होंने स्वच्छता, हरित ऊर्जा, बेहतर कनेक्टिविटी, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस तथा औद्योगिक एवं आर्थिक कॉरिडोर को शहरी विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। साथ ही टीडीआर नियमों एवं ऑनलाइन टीओडी पोर्टल की जानकारी दी। नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल, मप्र के अध्यक्ष विवेक दमानी ने नगर नियोजन में विकासकर्ताओं एवं उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखने तथा परियोजनाओं की समयबद्ध स्वीकृति के लिए सिंगल विंडो सिस्टम की आवश्यकता बताई।

आवश्यकताओं के अनुरूप लचीले नगर नियोजन पर जोर

नीति आयोग की कार्यक्रम निदेशक सुश्री एना रॉय ने शहरी विकास योजनाओं में अभिसरण एवं समन्वय की आवश्यकता बताते हुए मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम को पीपीपी मॉडल पर विकसित करने तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप लचीले नगर नियोजन पर जोर दिया। द्वितीय पैनल चर्चा में 'सुधारों एवं डिजिटल सक्षमता के माध्यम से शहरी शासन की पुनर्कल्पना' विषय पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, ई-गवर्नेंस, डेटा प्रबंधन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं नागरिक-केंद्रित सेवाओं के विस्तार पर चर्चा हुई।

भोपाल की विकास योजना पर क्रेडाई ने उठाए सवाल

भोपाल। मध्यप्रदेश में आर्थिक विकास के रोडमैप को लेकर अब राजधानी भोपाल की उपेक्षा का सवाल उठने लगा है। इंदौर आर्थिक क्षेत्र-2047 की रिपोर्ट जारी होने के बाद क्रेडाई भोपाल ने राज्य सरकार से पूछा है कि जब अक्टूबर 2025 में भोपाल और इंदौर दोनों को ग्रोथ हब पहल के पहले चरण में शामिल किया गया था, तो भोपाल की आर्थिक विकास योजना अब तक सार्वजनिक क्यों नहीं हुई? संगठन ने सवाल उठाया है कि विकास की इस प्रक्रिया में राजधानी की प्राथमिकताएं और परियोजनाएं आखिर कब सामने आएंगी। बुधवार को इंदौर में आयोजित अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर आर्थिक क्षेत्र-2047 की रिपोर्ट जारी की। क्रेडाई भोपाल ने इस पहल का स्वागत किया, लेकिन साथ ही भोपाल के रोडमैप में हो रही देरी पर जवाब मांगा।

तैयार होगा मास्टर प्लान

राज्य सरकार और नीति आयोग की संयुक्त पहल के तहत इंदौर के आठ और भोपाल के छह जिलों की आर्थिक प्रोफाइल, प्राथमिक परियोजनाएं और विस्तृत विकास योजना तैयार की जानी थी। इसके लिए अगले वित्त वर्ष की शुरुआत तक आर्थिक मास्टर प्लान तैयार करने का लक्ष्य भी बताया गया था।

शौर्य और गौरवपूर्ण होंगे आर्मी डे परेड सहित अन्य कार्यक्रम

मुख्य सचिव बर्णवाल ने की आर्मी डे परेड की तैयारियों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने आगामी 15 जनवरी को भोपाल में आर्मी डे परेड के मुख्य आयोजन और इससे पूर्व होने वाले अन्य कार्यक्रमों को शौर्य और गौरवपूर्ण तरीके से मनाने के लिए सभी संबंधित विभाग को उत्कृष्ट व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन मार्गों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे नागरिकों को असुविधा न हों। उन्होंने निर्देश दिए कि वैकल्पिक मार्गों का सुधार कार्य करें और आवश्यक संकेत लगाएं, जिससे नागरिकों को बिल्कुल भी असुविधा नहीं हो। मुख्य सचिव बर्णवाल ने बुधवार को मंत्रालय में विभिन्न विभागों के साथ आयोजन स्थलों की व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात, आवास, प्रोटोकॉल एवं प्रचार-प्रसार आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की तथा अब तक की गयी तैयारी की जानकारी ली।

शिफ्टिंग की कार्रवाई तय समय-सीमा में कर ली जाए

मुख्य सचिव बर्णवाल ने निर्देश दिए कि आर्मी डे परेड के मुख्य आयोजन के लिए भेल स्थित कालीबाड़ी मार्ग पुनरूद्धार और रिसर्फेसिंग सहित विद्युत लाइनों के शिफ्टिंग की कार्रवाई तय समय-सीमा में कर ली जाए। लोक निर्माण विभाग ने आश्वस्त किया कि ये सभी कार्य आगामी एक दिसंबर तक पूर्ण कर लिए जाएंगे। बैठक में बताया गया कि मुख्य आयोजन के लिए अतिविशिष्ट, विशिष्ट अतिथियों सहित लगभग 45 हजार दर्शकों के लिए बैठक, पेयजल, शौचालय, बैरिकेडिंग एवं सुरक्षा की व्यवस्थाएं किए जाने की योजना बनाकर लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा समन्वय से कार्य प्रारम्भ किया गया है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और एयर-शो

टीटी नगर स्टेडियम में शौर्य संस्कृति कार्यक्रम तथा भोपाल अपर लेक में होने वाले एयर शो के लिए भी सेना के अधिकारियों से समन्वय कर आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मुख्य सचिव बर्णवाल ने निर्देश दिए कि उक्त कार्यक्रमों में यातायात, पार्किंग, प्रवेश, निकास एवं समग्र सुरक्षा व्यवस्था की कार्य-योजना तैयार कर पुलिस आयुक्त भोपाल और ट्रैफिक पुलिस प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। मुख्य सचिव ने तीनों कार्यक्रमों के लिए अतिथियों के आवागमन एवं बैठक आदि व्यवस्था के लिए आरक्षित स्थानों की जानकारी ली और बेहतर क्रियान्वयन करने के लिए कहा।

कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के छात्रों को मिलेगा लाभ

जिला प्रशासन-एडु रोबोवर्स के बीच समझौता ज्ञापन पर हुए साइन



हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुर

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। कलेक्टर रोहित व्यास के प्रयासों से जिला प्रशासन और एडु रोबोवर्स के बीच गैर-वित्तीय सहयोग के आधार पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके तहत जिले के तीन सरकारी स्कूलों में कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों को एक वर्ष तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कोडिंग, रोबोटिक्स और मशीन लर्निंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस पहल के माध्यम से विद्यार्थी केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि तकनीक का व्यावहारिक उपयोग करना भी सीखेंगे। प्रशिक्षण के दौरान वे इंटरनेट ऑफ थिंग्स की मदद से सेंसर, मोटर और विभिन्न उपकरणों को आपस में जोड़कर स्मार्ट सिस्टम तैयार करना सीखेंगे। इसके साथ ही विद्यार्थी कृषि, जल संरक्षण, वन, पर्यावरण और ऊर्जा जैसे स्थानीय विषयों पर आधारित वास्तविक प्रोजेक्ट भी तैयार करेंगे। इससे जिले के ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने में मदद मिलेगी।

विशेष ट्रेनर किए जाएंगे नियुक्त

कार्यक्रम के प्रभावी संचालन के लिए एडु रोबोवर्स की ओर से प्रत्येक स्कूल में एक विशेष ट्रेनर नियुक्त किया जाएगा। ट्रेनर सप्ताह में दो दिन विद्यार्थियों की कक्षाएं लेंगे और विद्यालय के शिक्षकों को भी आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। इससे स्कूलों में आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षण को बढ़ावा मिलेगा और शिक्षक भी नई तकनीकों से परिचित हो सकेंगे। यह व्यवस्था विद्यालयों में दीर्घकालिक शिक्षण क्षमता को मजबूत बनाएगी। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी का 'स्टूडेंट टेक्नोलॉजी पासपोर्ट' तैयार किया जाएगा। इसमें विद्यार्थी के कौशल, मूल्यांकन और तैयार किए गए प्रोजेक्ट्स का रिकॉर्ड रखा जाएगा। संस्था द्वारा कार्यक्रम की प्रगति की मासिक रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंपी जाएगी। प्रशिक्षण के अंत में विद्यार्थी अपने द्वारा तैयार किए गए प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन भी करेंगे। स्थानीय समस्याओं के समाधान की प्रेरणा कलेक्टर रोहित व्यास ने कहा कि आज का दौर तकनीक का है और आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा रोबोटिक्स जैसे कौशल हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर, उन्हें स्वयं करके सीखने और आसपास की समस्याओं के समाधान खोजने के लिए प्रेरित करना है।

नारकोटिक्स और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

कार से हेरोइन और अवैध देसी पिस्टल बरामद

बालोद। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और बालोद पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक कार से हेरोइन (चिट्टा) और अवैध देसी पिस्टल बरामद की है। मामले में दल्लीराजहरा निवासी 25 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कार, मोबाइल फोन, नशीले पदार्थ और हथियार समेत कुल 11 लाख 83 हजार रुपये की सामग्री जब्त की है। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण के निर्देश पर 28 अक्टूबर की रात मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने नया बस स्टैंड के पीछे खड़ी टाटा हेक्सा कार की तलाशी ली। इस दौरान कार के डैशबोर्ड से 6.40 ग्राम हेरोइन और एक देसी पिस्टल बरामद हुई। कार चालक लीनेश बंसोड़ उर्फ बाड़ (25), निवासी दल्लीराजहरा को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बालोद थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 22(ख) और आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब इस मामले में नशीले पदार्थ और अवैध हथियार की सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों और संपर्कों की जानकारी जुटा रही है।

कॉपी-पेन लेने गई थी छात्रा, पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

13 साल की बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म तीन युवकों पर वारदात करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ बालोद

जिले के रनचिरई थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में 13 वर्षीय स्कूली छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। गांव के ही तीन युवकों पर नाबालिग को जबरन एक मकान में बंधक बनाकर दुष्कर्म करने का आरोप है। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायत के मुताबिक, शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय में कक्षा आठवीं में पढ़ने वाली पीड़िता 14 अक्टूबर की शाम करीब सात बजे कॉपी-पेन लेने के लिए घर से निकली थी। देर रात तक जब वह वापस नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। रात करीब 11 बजे परिजनों को सूचना मिली कि गांव के कुछ युवक बच्ची को अचेत अवस्था में एक परिचित के घर लेकर पहुंचे हैं। परिजन फौरन मौके पर पहुंचे और उसे गुंडरदेही अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक इलाज के बाद अगले दिन उसे घर लाया गया।

घटना के बाद डरी-सहमी रहने लगी पीड़िता



घटना के बाद से ही पीड़िता गहरे सदमे में थी और गुमसुम रहने लगी थी। परिजनों के बार-बार पूछने और ढांढस बंधाने पर 26 अक्टूबर को उसने पूरी घटना बयां की। पीड़िता ने बताया कि गांव के दो युवक उसे डरा-धमकाकर एक मकान की पहली मंजिल पर ले गए, जहां उन्होंने अपने तीसरे साथी को भी बुला लिया। इसके बाद कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर तीनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। मामले का खुलासा होने के बाद पीड़िता की मां ने परिजनों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ रनचिरई थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 70(2), 65(1), 137(2), 127(2) और पॉक्सो एक्ट की धारा 4(2) व 6 के तहत प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है और आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नागरिकों को सस्ता, अच्छा इलाज उपलब्ध कराने के लिए फाउंडेशन को दी बधाई

सीएम ने इंदौर में हुए शंकरा आई फाउंडेशन के स्वर्ण जयंती समारोह में की सहभागिता

परमार्थ ही सच्ची मानव सेवा, शंकरा आई फाउंडेशन ने पांच दशकों में लाखों परिवारों के जीवन में लौटाई गई रौशनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति में जीवात्मा की सेवा को ही सर्वोच्च धर्म माना गया है। शंकरा आई फाउंडेशन ने पांच दशकों से निष्ठा और समर्पण के साथ जरूरतमंदों की नेत्र चिकित्सा कराकर 'नर सेवा ही नारायण सेवा' के संकल्प को साकार किया है। किसी व्यक्ति की आंखों की रौशनी लौटने से उसके जीवन में ही नहीं, पूरे परिवार में खुशियां लौट आती हैं।

डॉ. यादव बुधवार को इंदौर में हुए शंकरा आई फाउंडेशन के स्वर्ण जयंती समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने फाउंडेशन के संस्थापक एवं मैनेजिंग ट्रस्टी पद्मश्री डॉ. आरवी रमानी, सह-संस्थापक डॉ. राधा रमानी सहित फाउंडेशन के सभी समर्पित चिकित्सकों और कर्मठ कर्मचारियों को 50 वर्षों की सफल सेवा यात्रा पूर्ण करने पर मप्र सरकार की ओर से बधाई दी।


इंदौर में शंकरा आई फाउंडेशन के स्वर्ण जयंती समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

छोटी शुरुआत, सेवा का व्यापक विस्तार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मई 1977 में कांची के शंकराचार्यों से प्रेरणा लेकर डॉ. आर.वी. रमानी और डॉ. राधा रमानी ने तमिलनाडु के कोयंबटूर में जरूरतमंदों की सेवा के उद्देश्य से एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की शुरुआत की थी। आज यह पहल देश के दस राज्यों तक पहुंच चुकी है। फाउंडेशन के 14 सुपर स्पेशियलिटी नेत्र अस्पतालों में प्रतिदिन एक हजार से अधिक मरीजों को उपचार की सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन में लगभग 80 प्रतिशत लोगों का नेत्र उपचार निःशुल्क किया जाता है, शेष 20 प्रतिशत लोग ही भुगतान कर उपचार प्राप्त करते हैं।

नेत्रदान के प्रति जागरूकता जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेत्रदान के प्रति समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जागरूकता अभियान के जरिए इस पुनीत कार्य का संदेश जन-जन तक पहुंचाना होगा। उन्होंने कहा कि स्वर्ण जयंती समारोह इस संस्थान को भविष्य के लिए नए लक्ष्य तय करने का भी समय है। मुख्यमंत्री ने कामना करते हुए कहा कि शंकरा आई फाउंडेशन अपने पूर्ण सेवाभाव के साथ आगे बढ़ते हुए अधिकाधिक जरूरतमंदों तक गुणवत्तापूर्ण नेत्र उपचार की सुविधा पहुंचाएं। इससे पहले उप-मुख्यमंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राजेन्द्र शुक्ल ने भी वर्चुअली जुड़कर शंकरा आई फाउंडेशन के स्वर्ण जयंती समारोह को वर्चुअली संबोधित किया।

शादी का प्रलोभन देकर नर्स का दैहिक शोषण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शादी का प्रलोभन देकर नर्स से एक साल तक दैहिक शोषण का मामला सामने आया है। नर्स ने जब शादी की बात आई तो आरोपी ने मोबाइल बंद कर लिया। पीड़िता ने मंगलवारा पुलिस को शिकायत की थी। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। 34 साल की महिला प्राइवेट अस्पताल में नर्स है। एक साल पहले उसकी असद से पहचान हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपी ने उससे शादी करने का भरोसा दिलाया। आरोप है कि इसी बहाने वह महिला को मिलने के लिए होटल बुलाने लगा। वहां जबरदस्ती की। इसके बाद शादी का वादा दोहराकर वह महिला का शोषण करता रहा।



80 साल से प्रशांत महासागर में डूबे जहाजों से रिस रहा काला जहर

न्यूयार्क। द्वितीय विश्व युद्ध के समय प्रशांत महासागर में डूबे सैकड़ों युद्धपोत आज भी समुद्र के सीने पर गहरे जख्म की तरह मौजूद हैं। इन जहाजों के जंग लगे स्टील के ढांचे धीरे-धीरे टूट रहे हैं। इनके फ्यूल टैंकों से लगातार जहरीला तेल समुद्र के पानी में रिस रहा है। सामान्य तौर पर पेट्रोलियम से भरा यह कचरा समुद्री जीवों के लिए मौत का सामान माना जाता है। माइक्रोनेशिया के पास समुद्र तल पर पड़े दो जापानी जहाजों के ईंधन की जांच कर रहे वैज्ञानिकों को बिल्कुल अप्रत्याशित नतीजे मिले हैं। वैज्ञानिकों ने पाया कि इस काले और बेहद जहरीले ईंधन के भीतर बैक्टीरिया की एक पूरी दुनिया बस चुकी है।

ऑपरेशन हेलस्टोन में डूब गए थे दर्जनों जहाज

अमेरिकी वायुसेना ने 1944 में ऑपरेशन हेलस्टोन के तहत इस पूरे बेस को तबाह कर दिया था। इस हमले के बाद दर्जनों जहाज समुद्र में डूब गए थे। आज इस इलाके में करीब 2 लाख टन से ज्यादा डूबे हुए जहाजों का मलबा मौजूद है। जहाजों के गलते हुए टैंकों से दशकों से लगातार तेल बाहर निकल रहा है। यह रिसाव स्थानीय मछलियों और पूरे मरीन इकोसिस्टम को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। पेट्रोलियम हाइड्रोकार्बन पानी में घुलकर टार बॉल्स बना देते हैं, जिससे जलीय जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।



ईंधन में वैज्ञानिकों को क्या मिला?

फिजी की यूनिवर्सिटी ऑफ द साउथ पैसिफिक के शोधकर्ताओं ने इस समस्या की जड़ तक जाने का फैसला किया। उन्होंने चुउक लैगून की गहराई में मौजूद दो मशहूर जापानी जहाजों पर फोकस किया। इनमें पहला जहाज ऑयल टैंकर शिंकोकू मारु था और दूसरा पूर्व पैसेंजर-कार्गो जहाज कियोसुमी मारु था। इन दोनों जहाजों से अलग-अलग तरह का ईंधन समुद्र में रिस रहा था। शोधकर्ताओं की टीम ने इन दोनों जहाजों के मलबे से ईंधन के सैंपल इकट्ठा किए. इसके अलावा शिंकोकू मारु के तेल और समुद्री पानी के संपर्क वाली सीमा से भी नमूने लिए गए। इन सभी सैंपल्स को गहराई से जांचने के लिए लैब भेजा गया। वैज्ञानिक मुख्य रूप से दो चीजों की तलाश कर रहे थे। पहला ईंधन की रासायनिक बनावट और दूसरा उसमें रहने वाले बैक्टीरिया।

रोचक खबरें



92 की उम्र में पहली बार बना दादा गिनीज बुक में दर्ज हुआ रिकॉर्ड

वॉशिंगटन। जिंदगी कब और कौन सा सरप्राइज दे दे, यह कोई नहीं जानता. उम्र तो बस एक नंबर हैइस बात को अमेरिका के रहने वाले 92 साल के एक बुजुर्ग ने सच साबित कर दिखाया है। नॉर्मन टूसिग्नेंट ने इस उम्र में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है। लेकिन खास बात यह है कि उन्हें यह रिकॉर्ड अपनी उम्र के लिए नहीं, बल्कि 92 साल की उम्र में पहली बार दादा बनने के लिए मिला है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आम तौर पर लोग 92 साल की उम्र में परपोते-परपोतियों या उनके भी बच्चों को खिलाने की उम्र में होते हैं। लेकिन 22 सितंबर 2022 का दिन नॉर्मन के परिवार के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं था। इस दिन उनके घर एक नन्हीं परी का जन्म हुआ, जिसका नाम मैडिसन रखा गया। जब मैडिसन का जन्म हुआ, तब नॉर्मन की उम्र ठीक 92 साल और 24 दिन थी। इस उम्र में पहली बार दादा बनने की खुशी ने इस परिवार की दुनिया ही बदल दी।

92 वें जन्मदिन पर मिला गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का ताज

इस अनोखी घटना के बाद नॉर्मन के परिवार ने इसके बारे में रिसर्च की और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से संपर्क किया. आखिरकार जब अगस्त 2026 में नॉर्मन अपना 96वां जन्मदिन मना रहे थे, तब उन्हें आधिकारिक तौर पर 'दुनिया के सबसे उम्रदराज पहले बार बने दादा' के खिताब से नवाजा गया।

किस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा?

नॉर्मन टूसिग्नेंट से पहले यह अनोखा रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के चार्ल्स स्मिथ के नाम दर्ज था। नॉर्मन ने उनसे लगभग छह महीने के अंतर से इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और नया इतिहास रच दिया।

29 वर्षीय तेलंगाना के युवक ने जीते 240 करोड़ रुपए

अबू धाबी। अबू धाबी में रहने वाले एक भारतीय युवक की रातोंरात किस्मत बदल गई। युवक ने लॉटरी में 240 करोड़ रुपए जीत लिए, जिसके बाद उसने भारत और यूईए में प्रॉपर्टी खरीदी है अपने और अपने भाई के लिए गाड़ियां ली हैं, अपनी मां के लिए सोने के गहने खरीदे हैं और अपने पिता के लिए खेती की जमीन ली है। इस दौरान भारतीय युवक ने बाली से एम्स्टर्डम तक घूम लिया, लेकिन आज वो एक ऐसी बात कह रहे हैं जिसे सुनकर आप हैरान रह जाएंगे। 29 वर्षीय अनील कुमार बोल्ला अबू धाबी में आईटी सेक्टर में नौकरी करते हैं। उन्होंने पिछले साल अक्टूबर 2025 में लॉटरी में किस्तम आजमाई और अपनी मां का बर्थडे का नंबर 11 चुना। पर शायद ही उन्हें इस बात का अंदाजा रहा होगा कि यही नंबर उनकी किस्मत बदल देगा और अनिल ने यूएई लॉटरी में 100 मिलियन दिरहम का जैकपॉट जीत लिया। मतलब 240 करोड़ रुपए उन्हें लॉटरी में मिल गए। अनिल बोल्ला ने बताया कि उनके लिए सबसे बड़ा इनाम यह है कि उन्हें अपने परिवार के साथ बिताने के लिए ज्यादा समय और आजादी मिल गई है। सबसे अहम बात यह है कि मैं अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिता पा रहा हूं।



परिवार अभी पुराने घर में ही रहता

बोल्ला का परिवार आज भी तेलंगाना में आज भी उसी घर में रहता है, जिसे वे अपने पिता का 'सपनों का घर' बताते हैं। उन्होंने अपने पिता को खेती की जमीन भी दी, ताकि वे ऑर्गेनिक फार्मिंग (जैविक खेती) में अपनी रुचि को आगे बढ़ा सकें। उन्होंने एक 'आईफोन 17 एयर' और चार-पांच महंगी घड़ियां खरीदी हैं। अनिल ने कहा कि मेरी खुशी हमेशा मेरे परिवार से जुड़ी है। मैंने उनके लिए जो कुछ भी किया है, वह मेरे लिए बहुत खास है। खुद के लिए कुछ करने की तुलना में, उनके लिए किए गए कामों से मुझे सबसे ज्यादा खुशी मिलती है।

कई देशों में घूम चुके हैं अनिल

लॉटरी में मिली रकम से अनिल ने यूएई और भारत में प्रॉपर्टी खरीदी है। वह यूएई में रहना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने कुछ अन्य बिजनेस और मौकों की तलाश भी शुरू कर दी है। साथ ही भारत के साथ भी अपने रिश्ते मजबूत बनाए रखना चाहते हैं। लॉटरी जीतने के बाद से पिछले 12 महीनों में अनिल देशों में घूमने जा चुके हैं।

चीन के रेस्टोरेंट ने परोसी अजीब डिश 'कॉकरोच एग टार्ट'

बीजिंग। चीन के एक रेस्टोरेंट ने सबको चौंका दिया है। सोशल मीडिया पर एक अजीब डिश वायरल हो रही है, जिसे देखकर कोई भी हैरान रह जाए। मीठे और मलाईदार एग टार्ट के ऊपर बड़े-बड़े कॉकरोच जैसे कीड़े सजाकर परोसे जा रहे हैं। यह सुनकर ही अजीब लगता है, लेकिन चीन में यह डिश काफी ट्रेंड कर रही है और लोग इसे खूब चाव लेकर खा भी रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह मामला चीन के ग्वांगडोंग प्रांत के शुंडे इलाके के एक रेस्टोरेंट का है। अक्टूबर 2026 में इस रेस्टोरेंट ने 'वॉटर रोच एग टार्ट' नाम से एक नई डिश शुरू की। दिखने में यह बड़े कॉकरोच जैसा लगता है। इसे देखकर लोग कह रहे हैं कि इसे देखना भी मुश्किल है। लेकिन, रेस्टोरेंट के मालिक पैन का कहना है कि यह कॉकरोच नहीं, बल्कि पानी में मिलने वाला डाइविंग बीटल है। इसके 3 पीस की कीमत करीब 28 युआन यानी लगभग 350 रुपए है और रोजाना करीब 20 सेट बिक जाते हैं।

यह डिश कैसे बनती है ?- इस डिश को बनाने का तरीका भी हैरान करने वाला है। पहले इन कीड़ों की बदबू निकालने के लिए एक खास प्रक्रिया की जाती है। फिर इन्हें तय तापमान पर तेल में तला जाता है, ताकि ये कुरकुरे हो जाएं। कीड़ों के पंखों को वैसा ही रखा जाता है ताकि उनका असली रूप बना रहे। आखिर में इन तले हुए कीड़ों को मीठे एग टार्ट के ऊपर रख दिया जाता है। रेस्टोरेंट मालिक का कहना है कि इसका स्वाद ऐसा लगता है जैसे मीठे टार्ट पर कोई कुरकुरी चिप्स रखी हो।

पुरानी चीनी दवा से है कनेक्शन- रिपोर्ट के मुताबिक, भले ही आज के लोगों के लिए यह अजीब लगे, लेकिन दक्षिणी चीन में इन कीड़ों को खाने की पुरानी परंपरा है। पारंपरिक चीनी दवा में इन्हें सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। कहा जाता है कि ये शरीर से गंदगी निकालने और खून के बहाव को बेहतर करने में मदद करते हैं। इसी वजह से ग्वांगझोउ और हांगकांग जैसे दूर के इलाकों से लोग इसका स्वाद लेने और वीडियो बनाने आ रहे हैं।



चीन के सीक्रेट स्पेसप्लेन पर नया खुलासा

अमेरिका ने जारी की सैटेलाइट तस्वीर, पेलोड दरवाजे दे सकते हैं मिशन का सुराग

बीजिंग। अमेरिकी सैन्य खुफिया एजेंसी ने चीन के सीक्रेट स्पेस प्लेन की तस्वीर जारी की है। यह तस्वीर वैंटोर के वर्ल्डव्यू 3 सैटेलाइट से 90 किलोमीटर की दूरी से ली गई है। पर्यवेक्षकों ने पहले भी ऑर्बिट में शेनलोंग की तस्वीरें ली हैं, लेकिन वैंटोर की यह नई तस्वीर इस अंतरिक्ष यान के बारे में ज्यादा और स्पष्ट जानकारी देती है। इसमें इसे कक्षा (ऑर्बिट) में दूसरे अंतरिक्ष यान से जुड़ा हुआ देखा जा सकता है। यह अमेरिका-चीन की अंतरिक्ष में तेज होती प्रतिस्पर्धा को दिखाता है। इस नई तस्वीर का रिजॉल्यूशन 4.5 सेंटीमीटर प्रति पिक्सेल है। तस्वीर को डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी की नई रिपोर्ट में शामिल किया गया है, जो अंतरिक्ष में विरोधी ताकतों से जुड़े खतरों का आकलन करती है। तस्वीर में रोबोटिक शेनलोंग स्पेस प्लेन एक उपग्रह (सैटेलाइट) से जुड़ा दिखा है, जिसके सोलर पैनल खुले हैं। इस उपग्रह की पहचान के बारे में पता नहीं चल पाया है।



मिशन के बारे में मिलेगी जानकारी?

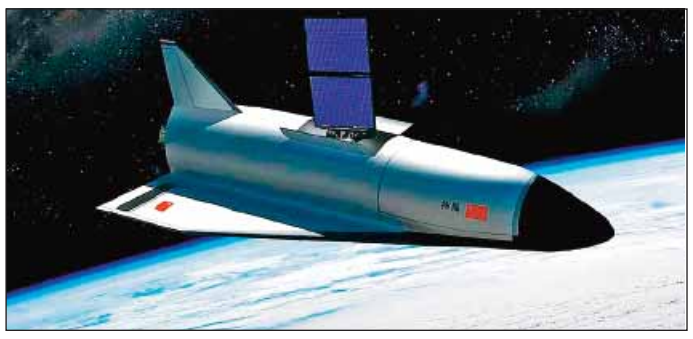
तस्वीर में शेनलोंग के पेलोड-बे के दरवाजे खुले हैं। पेलोड दरवाजे इस बात का सुराग दे सकते हैं कि शेनलोंग मिशन में क्या कर रहा है, जिसे फरवरी 2026 में लॉन्च किया गया था। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी का कहना है कि शेनलोंग उन तकनीकों का परीक्षण करता है, जो भविष्य में अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग के लिए सुविधाजनक और किफायती राउंड ट्रंप के तरीकों का रास्ता तैयार करेंगी। पर्यवेक्षकों ने शेनलोंग को कक्षा में कुछ चीजें छोड़ते हुए देखा है। जून में अमेरिकी अंतरिक्ष खुफिया कंपनी लियोलैब्स ने बताया था कि उसने इस स्पेस प्लेन के पास एक नई वस्तु का पता लगाया है। शेनलोंग के तीसरे मिशन के दौरान भी ऐसा हुआ था, जो 2024 में पूरा हुआ। 2023 में अपने दूसरे मिशन के दौरान भी इस स्पेस प्लेन ने एक वस्तु छोड़ी थी।

तस्वीर में क्या दिखा है-

तस्वीरों में एक छोटा, शटल जैसा अंतरिक्ष यान दिखाई देता है, जिसमें छोटे पंख हैं। इसमें दो वर्टिकल टेल और बीच में खुला 'पेलोड बे' (सामान रखने की जगह) है। चीन के इस यान के पिछले हिस्से में दोनों तरफ सोलर पैनल लगे हैं। इस यान का डिजाइन काफी हद तक अमेरिकी 'एक्स-37बी' जैसा ही है। बीजिंग के यानों में हथियार लगे होने या आक्रामक मिशन का सबूत नहीं मिला है।

चीन और अमेरिका के बीच चल रही स्पेस रेस

अमेरिका भी एक गुप्त रोबोटिक स्पेस प्लेन बोइंग के 'एक्स-37बी' का संचालन करता है। अमेरिका ने इसकी क्षमताओं या मिशनों के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं दी है। फरवरी 2025 में अमेरिकी स्पेस फोर्स ने अंतरिक्ष में मौजूद एक्स-37बी की पहली तस्वीर जारी की थी। ये दिखाता है कि चीन और अमेरिका के बीच स्पेस रेस (अंतरिक्ष दौड़) चल रही है, जिसमें दोनों देश एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश कर रहे हैं।



चीन के स्पेसप्लेन प्रोग्राम

चीन ने 2020 से अब तक चार ज्ञात ऑर्बिटल मिशन पूरे किए हैं। इनमें प्रायोगिक (एक्सपेरिमेंटल) फिर उपयोग योग्य (रीयूजेबल) अंतरिक्ष यान शामिल है। चीन का सबसे नया मिशन 7 फरवरी, 2026 को शुरू हुआ। यह यान अभी भी कक्षा (ऑर्बिट) में मौजूद है। चीन के पास दो मुख्य स्पेसप्लेन मॉडल- शेनलोंग और तेंग्युन हैं।

35 लाख का चैंपियन भैंसा हुआ चोरी ढूंढने वाले को मिलेगा 1 लाख का इनाम

चंडीगढ़। पंजाब के कपूरथला जिले से एक बेहद हैरान करने वाली खबर सामने आई है। जिले काला संघिया में बीते कई दिनों से रात के समय लोगों की भैंस चोरी होने का सिलसिला जारी है। अब विगत रात एक खूह से भैंसा चोरी हो गया। मालिक कमलजीत सिंह को सुबह जानकारी मिली कि उनका भैंसा चोरी हो गया है, तो उन्होंने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। सबसे बड़ी बात यह है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाला है और अपने राजा को ढूंढने वाले को एक लाख का इनाम देने की घोषणा की है। इसके कारण पोस्ट वायरल हो गई है। काला संघिया में खूह पर रखे पशुओं में से राजा नाम के झोटे (भैंसा) को चोरों ने चोरी कर लिया। भैंसे के मालिक का कहना है कि वह पंजाब के गांवों में होने वाली हल्ट दौड़ में काफी मशहूर था।



डेढ वर्ष की उम्र से ही हाल्ट दौड़ में हिस्सा ले रहा था राजा

भैंसे के मालिक ने बताया कि डेढ़ वर्ष की उम्र से ही उसे हाल्ट दौड़ प्रतियोगिता में शामिल किया था। वह प्रतियोगिता में शामिल होता था तो उसके कद काठ को देखकर लोग चौंका जाते थे। अब वह 19 साल का हो गया था। उसने पंजाब के कई गांवों में हाल्ट दौड़ में अपना बेहतरनी प्रदर्शन किया और प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया। खाने में उसे देसी घी व दूध दिया जाता था। उसकी कीमत 35 लाख रुपए आंकी जा चुकी है।

450 करोड़ में बिका डायनासोर का दुर्लभ कंकाल

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के मशहूर सोथबी ऑक्शन हाउस में विज्ञान और इतिहास की दुनिया का एक बड़ा सौदा देखने को मिला है। नैनोटाइरैनस डायनासोर का एक बेहद दुर्लभ कंकाल 47.3 मिलियन डॉलर यानी करीब 450 करोड़ रुपए में बिका है। इस कंकाल को वैज्ञानिकों ने 'जोडी' नाम दिया है। यह अब तक का दुनिया का दूसरा सबसे महंगा बिकने वाला फॉसिल बन गया है। नीलामी के दौरान छह बड़े खरीदारों के बीच करीब 12 मिनट तक जबर्दस्त जंग देखने को मिली। पहले इस जीवाश्म के 57 करोड़ से 85 करोड़ रुपए के बीच बिकने का अनुमान लगाया गया था। लेकिन, अंतिम बोली ने सभी पुराने अनुमानों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। करीब 9.6 फीट ऊंचे और 19.6 फीट लंबे इस कंकाल में कुल 191 हड्डियां सुरक्षित बची हैं। इसकी खोपड़ी लगभग पूरी तरह सुरक्षित है।



सोथबी ऑक्शन में जब जोडी की बोली शुरू हुई तो वहां मौजूद लोगों की सांसें थम गईं। छह बड़े दावेदार इस ऐतिहासिक कंकाल को हासिल करने के लिए आमने-सामने थे। सिर्फ 12 मिनट के भीतर बोलियां तेजी से ऊपर चढ़ने लगीं। अंत में यह कंकाल 450 करोड़ रुपए में एक अनजान खरीदार के नाम हो गया। इस कंकाल ने जीवाश्म की दुनिया में नया इतिहास रच दिया है। इससे पहले जुलाई में टी-रेक्स का एक कंकाल गस करीब 476 करोड़ रुपये में बिका था। वह दुनिया का सबसे महंगा फॉसिल बना था। जोडी आकार में गस के मुकाबले आधा है। इसके बावजूद इसकी इतनी ऊंची कीमत लगने की मुख्य वजह इसकी दुर्लभता है। दुनिया में इस प्रजाति के गिने-चुने कंकाल ही अब तक मिल सके हैं।

जीवाश्म विज्ञान में नैनोटाइरैनस प्रजाति के अस्तित्व को लेकर लंबे समय से बहस चल रही है। वैज्ञानिक कई सालों तक इसे केवल टी-रेक्स का छोटा बच्चा मानते रहे थे। हाल के वर्षों में नए अध्ययनों से यह बात सामने आई है कि यह एक अलग प्रजाति का वयस्क डायनासोर था।

कैसे बाहर आया यह 6 करोड़ साल पुराना खजाना?

इस बेहद दुर्लभ कंकाल की खोज साल 2019 में मोंटाना के एक खेत में जोडी पियर्सन नाम की महिला ने की थी. उन्हीं के सम्मान में इस जीवाश्म का नाम जोडी रखा गया था। इसके बाद डायनासोर काउबॉय के नाम से मशहूर क्लेटन फिप्स ने जमीन खोदकर इसे बाहर निकाला. यह कंकाल अमेरिका के मोंटाना में स्थित मशहूर हेल क्रीक फॉर्मेशन से मिला है। यह इलाका डायनासोर के अवशेषों का सबसे बड़ा खजाना माना जाता है। साल 1902 में टी-रेक्स का पहला कंकाल भी इसी जगह से खोजा गया था। इसी इलाके से फिप्स ने साल 2006 में ड्यूलिंग डायनासोर नाम का मशहूर फॉसिल भी खोजा था। वह जीवाश्म इस समय नॉर्थ कैरोलिना के विज्ञान संग्रहालय में सुरक्षित रखा गया है।

खच्चर पहुंचाते हैं चिट्ठियां और सामान!

3000 फीट गहरी खाई में बसा है ये गांव, सिर्फ 208 लोग रहते हैं यहां

न्यूयार्क। दुनिया में जब भी किसी गांव का जिक्र होता है, तो आंखों के सामने खेत-खलिहान, कच्चे रास्ते और सुकून भरी जिंदगी की तस्वीर आने लगती है। लेकिन, क्या आपने कभी ऐसे गांव के बारे में सुना है, जहां पहुंचने के लिए आपको ऊंची पहाड़ियों और गहरी खाइयों के बीच से गुजरना पड़े? जहां न गाड़ियों का शोर सुनाई देता है और न ही सड़कों पर ट्रैफिक नजर आता है। हैरानी की बात यह है कि यह गांव किसी दूरदराज के गरीब देश में नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे ताकतवर देशों में शामिल अमेरिका में है। यहां लोग जमीन की सतह से करीब 3000 फीट नीचे रहते हैं और आज भी चिट्ठियां पहुंचाने के लिए खच्चरों का सहारा लिया जाता है।





अमेरिका के एरिजोना राज्य में मौजूद ग्रैंड कैनियन दुनिया के सबसे मशहूर प्राकृतिक पर्यटन स्थलों में से एक है। इसकी विशाल चट्टानों और अनोखे नजारों को देखने के लिए हर साल लाखों लोग यहां पहुंचते हैं। इसी इलाके में हवासू कैनियन के पास सुपाई नाम का एक ऐतिहासिक गांव बसा है। यह ग्रैंड कैनियन के भीतर करीब 3000 फीट की गहराई में स्थित है। यहां की आबादी लगभग 208 लोगों की बताई जाती है। सुपाई की सबसे खास बात यह है कि यह आधुनिक शहरों की तरह सड़कों के जाल से नहीं जुड़ा है।

गांव तक पहुंचने का रास्ता इतना कठिन है कि यहां जाने के लिए हेलिकॉप्टर, खच्चर या पैदल यात्रा का सहारा लेना पड़ता है। गांव की सबसे नजदीकी सड़क भी करीब आठ मील (12.87 किलोमीटर) दूर है।

आज भी खच्चरों के जरिए पहुंचती हैं चिट्ठियां

आज के दौर में जब कुछ ही सेकंड में मोबाइल पर मैसेज पहुंच जाता है, तब सुपाई गांव की डाक व्यवस्था किसी पुराने जमाने की याद दिलाती है। यहां चिट्ठियों और सामान को लाने-ले जाने के लिए खच्चरों का इस्तेमाल किया जाता है। डाक और दूसरी जरूरी चीजें खच्चरों पर लादकर गांव तक पहुंचाई जाती हैं। यहां की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि सामान्य डाक गाड़ियों के लिए गांव तक पहुंचना आसान नहीं है। यही वजह है कि खच्चर यहां के लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा बने हुए हैं।

नीले-हरे पानी के झरने बनाते हैं इसे जन्नत जैसा

सुपाई गांव सिर्फ अपनी अनोखी डाक व्यवस्था के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है। ऊंची चट्टानों से घिरे इस इलाके में कई खूबसूरत झरने हैं। यहां के पानी का रंग फिरोजी या नीला-हरा दिखाई देता है, जो इस जगह को बेहद खास बनाता है। इस इलाके में बारिश काफी कम होती है। इसके बावजूद यहां के झरनों और पानी के स्रोतों में बहता पानी लोगों को हैरान कर देता है। पानी के इस खास रंग के पीछे चट्टानों और जमीन में मौजूद मिनरल्स की भूमिका होती है। कैल्शियम कार्बोनेट जैसे पदार्थ और पानी में मौजूद मिनरल्स के कारण प्रकाश का रिफ्लेक्शन अलग तरीके से होता है।

अपनी लार से बनाती है नेस्ट

सोने से भी महंगा बिकता है इस चिड़िया का घोंसला

नई दिल्ली। आज के दौर में सोना खरीदना हर किसी के बस की बात नहीं रह गई है। बढ़ती कीमतों के चलते लोग गहने खरीदने से पहले कई बार सोचते हैं। भारत में सोने को कीमती संपत्ति और निवेश का भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। लेकिन, क्या आपने कभी ऐसी चिड़िया के बारे में सुना है, जिसका घोंसला भी लाखों रुपए में बिक सकता है। दुनिया में स्विफ्टलेट नाम की एक छोटी-सी चिड़िया पाई जाती है, जिसके घोंसले की अंतरराष्ट्रीय बाजार में काफी मांग है।



अंधेरी जगहों पर बनाती है घोंसला

आमतौर पर चिड़ियों को पेड़ों की टहनियों, पत्तियों और सूखी घास से घोंसला बनाते देखा जाता है। लेकिन, स्विफ्टलेट चिड़िया अपने मुंह से निकलने वाली लार की मदद से घोंसला तैयार करती है। इसकी लार हवा के संपर्क में आकर सूख जाती है और धीरे-धीरे एक मजबूत, कप जैसी संरचना बना लेती है। स्विफ्टलेट अक्सर ऊंची चट्टानों, गुफाओं और अंधेरी जगहों पर अपना घोंसला बनाती है। इसे तैयार करने में कई दिन लग सकते हैं। घोंसले की खास बनावट और खाद्य पदार्थ के रूप में इसकी मांग ने इसे बेहद कीमती बना दिया है।

आखिर क्यों लाखों में बिकता है इसका घोंसला?

स्विफ्टलेट के घोंसले का इस्तेमाल खासतौर पर दक्षिण-पूर्व एशिया और चीन में लोकप्रिय बर्ड्स नेस्ट सूप बनाने के लिए किया जाता है। चीन, हांगकांग और सिंगापुर जैसे बाजारों में इसे एक महंगे व्यंजन के तौर पर परोसा जाता है। इसकी गुणवत्ता, शुद्धता और उपलब्धता के आधार पर कीमत अलग-अलग हो सकती है। अच्छी गुणवत्ता वाले घोंसलों का एक किलोग्राम लाखों रुपये तक में बिक सकता है। परंपरा कहती है इस सूप को सेहत, त्वचा की चमक और रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए फायदेमंद माना जाता रहा है। इसके घोंसलों में प्रोटीन और कुछ अन्य जैविक घटक पाए जाते हैं। हालांकि, इसके सेवन से मिलने वाले कई बड़े स्वास्थ्य लाभों के समर्थन में वैज्ञानिक प्रमाण अभी सीमित हैं। इसलिए इसे किसी बीमारी का इलाज समझना सही नहीं है।